

//-- सुविचार --//		
सोच का फर्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमजोर नहीं, मजबूत बनाने आती हैं		
सूर्योदय		
उदय : 5.02 प्रातः		
अस्त : 6.33 संध्या		
प्रदेश का मौसम		
स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	40.0	27.0
जमशेदपुर	41.0	29.0
रामगढ़	44.6	29.1
डालटनगंज	45.0	29.0

लालू कोर्ट में पेश हुए छह हजार जुर्माना, रिहा मेदिनीनगर। राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव बुधवार को 13 साल पुराने आदर्श चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के मामले में पलामू कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने अपनी गलती स्वीकार की। अदालत ने छह हजार का जुर्माना लगाते हुए उन्हें रिहा कर दिया। यह मामला सतीश कुमार मुंडा न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी और एमपी एमएलए स्पेशल कोर्ट में चल रहा था। हाई कोर्ट के वकील प्रभात कुमार सिंह ने उनकी पैरवी की।
>> **पेज 2 भी देखें**

भ्रष्टाचार से लड़ेंगे अन्ना हजारे, 19 को दिल्ली में मुंबई। वरिष्ठ समाजसेवक व स्वतंत्रता सेनानी अन्ना हजारे ने कहा कि उन्होंने देश में भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए राष्ट्रीय लोक आंदोलन नामक नया संगठन बनाया है। इस संगठन का ऐलान अपने जन्म दिन पर 19 जून को दिल्ली में करेंगे और संगठन के कार्यकर्ताओं को एक दिन का प्रशिक्षण देंगे। अन्ना हजारे ने बुधवार को अहमदनगर जिले के राहलगुंसिद्धि में पत्रकारों को बताया कि लोकायुक्त कानून बनाने में कई राज्य देरी कर रहे हैं।

ईडी के सामने पेश होंगी सोनिया गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश होंगे और अपना पक्ष रखेंगे, क्योंकि कांग्रेस के पास कुछ भी छिपाने के लिए नहीं है। उक्त बातें पार्टी के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने बुधवार को एक प्रेसवार्ता के दौरान कही। खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी नियमों-कानूनों को मानने वाली पार्टी है। कांग्रेस पार्टी में नियमों का अनुसरण करने वाले लोग हैं।

विश्व बैंक ने लगातार दूसरी बार की कटौती भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.5 फीसदी से होने का अनुमान

नयी दिल्ली : वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की आर्थिक वृद्धि 7.5 फीसदी रफ्तार से होगी। विश्व बैंक ने देश के जीडीपी ग्रोथ अनुमान को संशोधित किया है। वैश्विक निकाय की ओर से पूर्वानुमान में लगातार दूसरी बार कटौती की गई है। इस संबंध में रिपोर्ट जारी करते हुए इसकी वजह लगातार बढ़ती महंगाई, सर्पनाई चेल में बाधा और रूस-यूक्रेन युद्ध को बताया गया है। गौरतलब है कि विश्वबैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को अप्रैल महीने में 8.7 फीसदी घटाकर 8 फीसदी किया था। वहीं अब इसे एक बार फिर से कम

करके 7.5 फीसदी कर दिया गया है। बता दें कि वित्त वर्ष 2021-22 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 8.7 फीसदी रही थी। विश्वबैंक ने वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट में कहा है कि लगातार बढ़ती महंगाई, आपूर्ति व्यवस्था में बाधा और रूस-यूक्रेन युद्ध से वैश्विक स्तर पर तनाव जैसी चुनौतियों को देखते हुए वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाया गया है। इसमें कहा गया कि कोरोना के मामले कम होने के बाद अर्थव्यवस्था में जो सुधार देखा जा रहा है, बताए गए कारणों का उस पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

यहां बता दें कि देश में महंगाई अपने चरम पर पहुंच चुकी है और यही कारण है महज 35 दिनों के अंतराल में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रेपो रेट में दो बार इजाफा किया है। जहां बोते चार मई को आरबीआई ने रेपो रेट में 40 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि की थी, तो वहीं बुधवार को तीन दिवसीय बैठक के बाद केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में और 50 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी कर दी। आरबीआई ने भी देश में बढ़ती महंगाई को चिंता का विषय करार दिया है। देश में खुदरा महंगाई 7.79 फीसदी, जबकि थोक महंगाई 15 फीसदी के पार पहुंच चुकी है।

केन्द्र के रुख के विपरीत

जातीय गणना व आर्थिक सर्वेक्षण भी करायेंगे नीतीश

नयी दिल्ली : बिहार में जातीय सर्वे की अधिसूचना मॉलवार को जारी कर दी गयी। सर्वे की ये प्रक्रिया 28 फरवरी 2023 तक पूरी होनी है। इस सर्वे के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। इस सर्वे के दौरान संबंधित लोगों की आर्थिक स्थिति का भी सर्वेक्षण कराया जाएगा। बिहार के बाद अब दूसरे राज्यों में भी इस तरह के सर्वे की मांग उठने लगी है। इससे पहले भी केंद्र सरकार से जातिगत जनगणना की मांग विपक्षी दल करते रहे हैं। पिछले साल बिहार के नेताओं ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर-के जातिगत जनगणना की मांग की थी। हालांकि, केंद्र की मोदी सरकार इससे इनकार करती रही है। गुह राज्य मंत्री नित्यानंद राय लोकसभा में भी इस तरह की जनगणना से इनकार कर चुके हैं। जनगणना केंद्र सरकार द्वारा करावी जाती है। केंद्र सरकार ही जातिगत जनगणना करा सकती है। केंद्र सरकार को अगर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की जनगणना कराई जाती है। पिछड़ी और अन्य जातियों की जातिगत जनगणना आजादी के बाद कभी नहीं कराई गई। राज्य सरकारें जनगणना नहीं कर सकती हैं। इसलिए राज्य सरकार इसे सर्वे का नाम देती हैं।



देश में जातिगत जनगणना की जरूरत ही क्यों

1947 में देश आजाद हुआ। 1951 में आजाद भारत में पहली बार जनगणना हुई। 1951 से 2011 तक हुई सभी 7 जनगणनाओं में एससी और एसटी की जातीय जनगणना हुई, लेकिन पिछड़ी व अन्य जातियों की जाति आधारित जनगणना कभी नहीं हुई। 1990 में उस वक्त की वीपी सिंह सरकार ने मंडल कमीशन की सिफारिशों को लागू करके पिछड़ों को आरक्षण दिया। उस वक्त भी 1931 की जनगणना को आधार मानकर ही आरक्षण की सीमा तय की गयी। 1931 में देश में पिछली जातियां कुल

केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार का रुख

गुह मंत्रालय ने पिछले साल बजट सत्र में राज्यसभा और मानसून सत्र में लोकसभा में इस तरह की जनगणना से इनकार किया। गुह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सदन में कहा है कि हर बार की तरह इस बार भी केवल एससी और एसटी समुदाय की जातिगत जनगणना होगी। हालांकि, मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में सरकार का रुख ऐसा नहीं था। जब भाजपा विपक्ष में थी, तब उसके ही नेताओं का रुख कुछ और था। 2011 की जनगणना से पहले पूरे केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता गोपीनाथ मुंडे ने जातिगत जनगणना की मांग की थी।

आबादी का 52 फीसदी थी। कई एक्सपर्ट मानते हैं कि मौजूदा समय में देश को कुल आबादी में पिछड़ी जातियों की संख्या कितनी है इसका ठीक अनुमान मुश्किल है। एससी और एसटी के आरक्षण का आधार उनकी आबादी है, लेकिन ओबीसी आरक्षण का आधार 90 साल पुरानी जनगणना है, जो अब प्रासंगिक नहीं है। जातिगत जनगणना का एक ठोस आधार होगा। संख्या के आधार पर आरक्षण को कम या ज्यादा करना पड़ेगा। उनकी बेहतरी के लिए उचित नीति का निर्धारण हो सकेगा।



रांची, गुरुवार, 09 जून 2022, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी, विक्रम संवत- 2079 वर्ष-08 अंक-56 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये

पेंशन वितरण सह जागरूकता कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कहा

गरीबों को देंगे पेंशन, राशन का हक्

5 तारीख तक पेंशन नहीं मिली, तो अफसर होंगे दंडित

केंद्र सरकार से आग्रह किया कि राज्य के वृद्ध, नि:शक्त, निराश्रित महिला का पेंशन यूनिवर्सल कर दें। लेकिन केंद्र से लंबे इंतजार के बाद भी कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद राज्य सरकार ने निर्णय लिया और सभी को पेंशन देने का कानून बनाया गया। देश का यह पहला राज्य है, जिसने ऐसा किया।



पदाधिकारी सतर्क होकर योजना को समझाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार सृजन योजना के तहत सरकार स्वरोजगार हेतु लोन उपलब्ध करा रही है। हर तरह के व्यावसायिक कार्य के लिए लोन दिया जा रहा है। सभी पदाधिकारी सतर्क होकर ग्रामीणों को योजना समझाएं और राज्य के लोगों को मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना का लाभ दें। सीएम सारथी योजना के जरिए प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करने वाले बच्चों का खर्च सरकार वहन करेगी। रामदयाल मुंडा ने एक बात कही थी कि यहां के लोगों का बोलना ही गीत और चलना ही नृत्य है। इस बात को जीवंत करते हुए सरकार हर आदिवासी के घर में मांदर हो इसकी व्यवस्था करेगी। इसकी योजना बनायी जा रही है, जिससे संस्कृति के संरक्षण को और बढ़ मिलेगा।

महिलाओं की मदद को राज्य सरकार तैयार

मुख्यमंत्री ने कहा कि पलाश ब्रांड को राष्ट्रीय और अंतर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान देने की पहल की जा रही है। इससे महिलाएं स्वरोजगार अपना कर आर्थिक रूप से मजबूत बन रही हैं। हड़िया दारू का व्यवसाय करने वाली महिलाओं से आग्रह है आप सरकार के पास आएँ। सरकार आपके सम्मान जनक कार्य करने में सहयोग करेगी। 25 हजार रु. से अधिक हड़िया दारू बेचने वाली महिलाओं को सम्मानजनक आजीविका से जोड़ा गया है। सरकार मदद को तैयार है।



लाख लोगों को हरा राशन कार्ड दिये गये। आने वाले दिनों में पांच लाख अन्य लोगों को हरा राशन कार्ड दिये जायेंगे। जरूरतमंद लोगों को धोती साड़ी भी सरकार दे रही है। सरकार गरीब, जरूरतमंदों को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने साहसिक कदम उठाते हुए सरना धर्म कोड को विधानसभा में पारित किया। यह आदिवासी हित के लिए किया गया। राज्य सरकार ने आपके अधिकार सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन घर बैठे लोगों योजनाओं से आच्छादित किया गया।

मोदी ने देश को विश्व पटल पर खड़ा कर दिया : अजय

रांची : केंद्रीय गुह राज्यमंत्री अजय मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आठ साल के कार्यकाल को बेमिसाल बताया हुए, एक समारोह में मोदी सरकार के आठ साल बेमिशाल पुस्तक का विमोचन किया।

रांची में भाजपा महिला मोर्चा और महानगर के तत्वावधान में आयोजित महिला लाभार्थी सम्मेलन में उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने जन आकांक्षाओं को पूरा करते हुए सफलतम आठ वर्ष पूरे कर लिए हैं। मिश्रा ने कहा कि ये आठ साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। अजय मिश्रा ने कहा कि 2014 के पूर्व ऐसा लगता था कि यह देश कैसे आगे बढ़ेगा लेकिन प्रधानमंत्री ने अपनी कर्तव्यनिष्ठता एवं ईमानदारी से महज आठ वर्षों में भारत को विश्व पटल के केंद्र बिंदु में लाकर खड़ा

कर दिया है। उन्होंने कहा कि चाहे महिला सशक्तिकरण की बात हो या उनके सम्मान की, हर क्षेत्र में प्रधानमंत्री ने समाज के अंतिम व्यक्ति को ध्यान में रखकर कार्य किया। उन्होंने विशेष तौर पर प्रधानमंत्री आवास योजना, मुफ्त बिजली, स्वच्छ भारत मिशन और आयुष्यान योजना का जिक्र किया। कहा, हर योजना पंडित दीनदयाल के दर्शन के अनुरूप बनाई गई और उसे धरातल पर उतारने का कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि आज हमारे प्रधानमंत्री दुनिया भर में सबसे लोकप्रिय नेता हैं। इस मौके पर भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू, प्रदीप वर्मा, विधायक नवीन जायसवाल, राज सिन्हा, समरी लाल व जैलेन्द्र महतो के साथ ही मंच पर रांची के विधायक सीपी सिंह भी मौजूद थे।

सभी के हित का है ध्यान

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कार्यरत रसोईया, सहिया समेत सभी की समस्याओं का समाधान होगा। सभी के लिए चिंता है। अड़चनों को दूर किया जा रहा है। झारखण्ड पीछे नहीं रहेगा। यहां का सब कुछ जनमानस के लिए है। 50 हजार से अधिक पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया सरकार जल्द शुरू कराएगी। अधिक से अधिक युवा प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लें। सरकार ने आवेदन की निर्धारित राशि को कम कर 50 रुपए कर दिया है, जिससे आर्थिक रूप में पिछड़े युवा भी प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लें सके।

सभी वंचित बच्चों को मिलेगी स्कॉलरशिप

मंत्री जोबा मांडी ने कहा कि हमारे राज्य का बागडोर युवा मुख्यमंत्री संभाल रहे हैं। आपके अधिकार आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के जरिए योजनाओं लोगों को जोड़ा गया। सरकार ने वंचित बच्चों को स्कालरशिप देने की पहल की है। अब राज्य की जनता भी अन्य लोगों को सरकार को योजनाओं के प्रति जागरूक करने का काम करें, जिससे सभी को योजना का लाभ प्राप्त हो सके।

घर बैठे लोगों को योजनाओं से आच्छादित किया गया : रामेश्वर उरांव

मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि राशन कार्ड से वंचित और सुपात्र लोगों को हरा राशन कार्ड राज्य के कोष से आवंटन किया। गुमला में करीब 24 हजार से अधिक लोगों को हरा राशन कार्ड से जोड़ा गया है। पूरे राज्य में 15 लाख लोगों को हरा राशन कार्ड दिये गये। आने वाले दिनों में पांच लाख अन्य लोगों को हरा राशन कार्ड दिये जायेंगे। जरूरतमंद लोगों को धोती साड़ी भी सरकार दे रही है। सरकार गरीब, जरूरतमंदों को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने साहसिक कदम उठाते हुए सरना धर्म कोड को विधानसभा में पारित किया। यह आदिवासी हित के लिए किया गया। राज्य सरकार ने आपके अधिकार सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन घर बैठे लोगों योजनाओं से आच्छादित किया गया।

शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के स्थानांतरण नीति जारी की एक स्थान पर पांच वर्ष ही रहेंगे शिक्षक

स्नातक प्रशिक्षित प्राथमिक शिक्षकों का अब होगा उच्च विद्यालय में स्थानांतरण

शिक्षक, प्रचार्य या प्रधानाचार्य की तीन साल बाद ही हो पाएगा स्थानांतरण

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार के माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने बुधवार को प्राचाय, प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों की नियुक्ति एवं स्थानांतरण से संबंधित संशोधित नियमावली को जारी कर दिया। इस नियमावली में कई प्रकार के प्रावधान हैं। शिक्षा निदेशालय के द्वारा जारी अधिसूचना में बताया गया है कि प्रखंड के साथ ही अनुमंडल शब्द को भी मान्यता दे दी गयी है। यही नहीं प्रखंड एवं अनुमंडल मुख्यालय के विद्यालयों को उसी प्रखंड व अनुमंडल के नाम से जाना जाएगा। इसकी भौगोलिक सीमापेखा प्रखंड मुख्यालय से पांच



सरायकेला। पुलिस से बेखौफ अपराधियों ने दुसाहस का परिचय देते हुए आदित्यपुर थाना क्षेत्र में ट्रिपल मर्डर की घटना को अंजाम दिया। आदित्यपुर थाना क्षेत्र के सतबहिनी दुर्गा पूजा मैदान में अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर तीन युवकों की गोली मार कर हत्या कर दी। गोलीबारी में दो युवकों की मौत मौके पर ही हो गयी, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मंगलवार देर रात घटी इस घटना में मृतकों की पहचान आशीष गोरई, राजू गोरई और सुबीर चटर्जी के रूप में हुई है। मृतक राजू भाई के भाई किशन गोरई ने बताया कि सभी लड़के सतबहिनी दुर्गा पूजा मैदान में पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान बोलेंगो पर सवार होकर अपराधी पहुंचे और उनपर अंधाधुंध फायरिंग करने लगे, जिससे तीनों के शरीर में गोली लगी और उनकी मौत हो गयी।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द आज पहुंच रहे जम्मू

जम्मू। दो दिवसीय दौरे पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द गुरुवार को जम्मू पहुंच रहे हैं। उनके दौरे को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। राष्ट्रपति दोहर बाद आईआईएम जम्मू के दीक्षा समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे और दस जून शुक्रवार को श्री माता वैष्णो देवी के दर्शन करेंगे और उसी दिन वापिस लौट जाएंगे। राष्ट्रपति, उपराज्यपाल के साथ जम्मू कश्मीर के सुरक्षा हालात, विकास प्रोजेक्ट समेत अन्य अहम मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इस दौरान कन्वेंशन सेंटर की सील किया गया है। प्रशासन व पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने राष्ट्रपति के दौरे के महेनजर प्रबंधों का जायजा लिया।

किलोमीटर की परिधि रखी गयी है।

झारखंड शासन के शिक्षा सचिव राजेश कुमार शर्मा के कार्यालय से जारी अधिसूचना में बताया गया है कि पूरे प्रदेश को कई क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। उस क्षेत्र में एक शिक्षक अधिकतम पांच वर्ष तक अपनी सेवा दे सकते हैं। इसकी न्यूनतम सीमा तीन वर्ष रखी गयी है। अधिसूचना में यह भी बताया गया है कि कोई शिक्षक, प्राचार्य या फिर प्रधानाचार्य उस जोन में पांच वर्ष से अधिक समय रह लेते हैं तो उन्हें सरकार के द्वारा दी जाने वाली अतिरिक्त वित्तीय लाभ से वंचित होना होगा। जारी अधिसूचना में बताया गया है कि विशेष अनुरोध पर विशेष परिस्थिति में शिक्षकों को एक टर्म से ज्यादा रहने दिया जा सकता है। अधिसूचना में साफ कर दिया गया है कि एक टर्म का मतलब पांच वर्ष से है। जारी अधिसूचना में यह स्पष्ट कर दिया गया है कि स्नातक

प्रशिक्षित शिक्षकों को प्राथमिक या माध्यमिक विद्यालयों से उच्च विद्यालयों में स्थानांतरित किया जा सकता है। ये तमाम नियम असाध्य रूप वाले या फिर दिव्यांगों के लिए लागू नहीं होगा। अधिसूचना में साफ तौर पर इस बात का जिक्र किया गया है कि यदि कोई शिक्षक स्थानीय भाषा का जानकार है तो उन्हें उस भाषा वाले क्षेत्र में स्थानांतरण में वरीयता दी जाएगी। यदि पति-पत्नी एक ही जिले में पदस्थापित हैं तो उन्हें एक विद्यालय में पदस्थापित नहीं किया जा सकता है। केन्द्र, राज्य सरकार में पति या पत्नी पदस्थापित हैं और उसी जिले में स्थानांतरण कराना चाहते हैं तो ऐसा संभव है। निदेशालय द्वारा जारी अधिसूचना में बताया गया है कि स्थानांतरित होने के लिए एक स्थान पर कम से कम तीन साल की सेवा जरूरी होगी। अधिसूचना में और कई तथ्यों का जिक्र किया गया है।

उपलब्धि. उड़ान भरने को तैयार झारखंड का देवघर एयरपोर्ट

दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु व रांची की फ्लाइट जल्द

देवघर : एयरपोर्ट का सपना बहुत जल्द साकार होनेवाला है। देवघर एयरपोर्ट से पहली दफे ईंडीगो की एयर बस-320 ने उड़ान भरी। 180 सीटर इस विमान के लैंडिंग और टेकऑफ के सफल ट्रायल के बाद अब देवघर हवाई अड्डे से नियमित उड़ान का रास्ता साफ हो गया है। अंतरराष्ट्रीय तर्ज पर विकसित किए गए एयरपोर्ट से दिल्ली, मुंबई, बंगलुरु और रांची के लिए हवाई सेवा की शुरुआत हो जाएगी। देवघर एयरपोर्ट पर ट्रायल के दौरान ऐतिहासिक क्षण को देखने के लिए आस-पास के ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा थी। इतना ही नहीं, एयरपोर्ट के सफल ट्रायल ने बोइंग जेट की उड़ान का रास्ता भी साफ कर दिया।

मंगलवार को सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर जब देवघर एयरपोर्ट पर ईंडीगो के एयरबस को लैंड कराया गया तो वावाधाम की धरती पर एक नई इबारत लिख दी गई।



सभी कैटेगरी का ट्रायल सफल

करीब सवा घंटे तक चले ट्रायल में ई-कैटेगरी समेत 320 फेमिली और 737 बोइंग विमान के सभी कैटेगरी का ट्रायल सफल रहा। देवघर एटीसी से एक साथ दिल्ली, मुंबई और बंगलुरु को कनेक्ट कर 2500 मीटर लंबे रनवे पर लैंडिंग और टेकऑफ का रास्ता साफ कर दिया। इधर, देवघर एयरपोर्ट से ई-कैटेगरी में एयरबस 320 को रनवे पर उतारे जाने के बाद ये भी साफ हो गया कि देवघर एयरपोर्ट से 240 से लेकर 240 यात्री क्षमता वाले विमान का संचालन किया जा सकता है। एयरपोर्ट की इस तकनीकी ट्रायल के सफल होने के बाद डीजीसीए को रिपोर्ट भेज दी गई है, जहां से एक हफ्ते के भीतर अप्रूवल मिलने की उम्मीद जताई जा रही है, जिसके बाद नियमित उड़ान जल्द शुरू हो जाएगी। देवघर एयरपोर्ट का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 मई 2018 को ऑनलाइन किया था। इस एयरपोर्ट की लंबाई 2.5 किलोमीटर है जबकि, रनवे की चौड़ाई 45 मीटर है। 653 .75 एकड़ में फैले इस हवाईअड्डे के निर्माण में 401.34 करोड़ की लागत आई है। देवघर एयरपोर्ट का टर्मिनल बिल्डिंग 4000 वर्ग मीटर में फैला है, जहां 180 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था है।

टीबी उन्मूलन की दिशा में मीडिया की भूमिका पर कार्यशाला

नवप्रदेश संवाददाता

रंची : रीच संस्था की ओर से 2025 तक टीबी उन्मूलन की दिशा में मीडिया की भूमिका विषय पर बुधवार को लालपुर स्थित होटल रेंड्यू में एक दिवसीय मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य क्षय अधिकारी (एसटीओ) डॉ रंजीत प्रसाद उपस्थित थे।

डॉ प्रसाद ने कहा कि सरकार 2025 तक टीबी को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता, विश्व स्तरीय निदान सुविधा सुनिश्चित कर रही है। हमारे पास लगभग



200 डीएमसी केंद्र हैं, जिनका उद्देश्य टूटेन सुविधा केंद्र में अपग्रेड करना है। उन्होंने कहा कि सीबीएनएएटी निदान सुविधा जिला स्तर पर उपलब्ध है।

डब्ल्यूएचओ के सलाहकार डॉ राजीव पाठक ने कहा कि यदि समुदाय जागरूक हो और समय पर निदान के लिए आगे आए तो अधिक से अधिक लोगों का

समय पर पता लगाया जा सकता है एवं ठीक किया जा सकता है। वर्तमान में इपीटीबी के बारे में जागरूकता बहुत कम है। इसलिए पूर्वानुमान भी खराब है। इपी टीबी निदान के लिए सामुदायिक जागरूकता पर ध्यान देने की जरूरत है और स्वास्थ्य प्रणाली को भी इपी टीबी के निदान पर ध्यान देने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में लगभग 5200 लोग टीबी से मरते हैं। भारत में लगभग 1400 लोग टीबी से मरते हैं। टीबी एक इलाज योग्य बीमारी है, जिसका समय पर निदान किया जाता है और उपचार शुरू किया जाता है। भारत में जल्द ही टीबी का टीका होगा। हालांकि,

वर्तमान में बीसीजी वैक्सीन टीबी के खिलाफ काम करती है। टीबी की विश्वव्यापी घटना प्रति एक लाख जनसंख्या पर 127 है और भारत में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 188 है। झारखंड में कुल वैश्विक बोझ का 20 प्रतिशत भारत पर है। एसडीजी ने 2035 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है लेकिन भारत में पीएम के दूरदर्शी नेतृत्व के अनुसार हमने 2025 तक भारत का लक्ष्य निर्धारित किया है।

इस अवसर पर दामोदर कुमार मंडल, रंची प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजय मिश्रा, डॉ एके मित्रा, प्रणव झा, अमित कुमार आदि उपस्थित थे।

भगाएं डर, सफलता आपके द्वार

समाज में छवि बरकरार रखने की होड़

रंची: हर विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम में बेहतर प्रदर्शन की आकांक्षा होती है, बावजूद इसके, कुछ विद्यार्थी अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर पाते। ऐसे में परीक्षार्थियों को तनावमुक्त होने की आवश्यकता है। आज के परिपेक्ष में पढ़ाई आनंद नहीं जुनून बन गया है। विद्यार्थी, अभिभावक और संबंधित स्कूल के प्राचार्य परीक्षाफल को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। नतीजन शिक्षण कार्य चुनौतीपूर्ण एवं प्रतिस्पर्धात्मक हो चला है। इस बाबत विद्यार्थियों के लिये बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन बाधक बनते जा रहा हैं। कारण अभिभावकों द्वारा बच्चों पर टॉप करने के लिए असामान्य दबाव रहता है। यहीं नहीं समाज में अपनी



छवि बरकरार रखने की होड़ में अभिभावक बच्चों पर 11वीं में विज्ञान विषय लेने के लिए बाध्य करते हैं, ताकि वह आगे चलकर

इंजीनियर या डॉक्टर बन सकें।

यह सत्य है की समूह राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अहम और सार्थक होती है। कहते

अधिवक्ता ने सीएस को लिखा पत्र, जगन्नाथपुर मेला आयोजित कराने की मांग की

रंची : झारखंड हाई कोर्ट के वरीय अधिवक्ता धीरज कुमार ने बुधवार को मुख्य सचिव, आपदा प्रबंधन सचिव और उपायुक्त को पत्र लिखकर जगन्नाथपुर मेला बौर पाबंदी के लगाने की मांग की है। पत्र के माध्यम से मांग की गयी है कि जगन्नाथपुर मेला पूरी में आयोजित होने वाले वार्षिक मेला के बाद सबसे बड़ा माना जाता है। इसकी पौराणिक मान्यताएं भी है। वार्षिक मेला रंजनागर का भी एक प्रमुख स्रोत है। ठेला और वेंडर दुकानदार मेला का इंतजार करते हैं। ऐसे में बौर किसी पाबंदी के मेला का आयोजन किया जाये। इसके लिए सौ लोगों की वाय्ता को समाप्त की जाये। अधिवक्ता ने बताया कि पिछले दिनों रंची डीसी ने सीमित तरीके से मेला आयोजन करने की बात कही थी। ऐसे में लोगों की आजीविका पर बड़ा असर पड़ेगा।

सांसद निशिकांत का दावा, मिथिलेश ठाकुर की विधायकी पर लटकी चुनाव आयोग की तलवार

रंची: भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को ट्विटर कर दावा किया है कि केन्द्रीय चुनाव आयोग राज्य के मंत्री मिथिलेश ठाकुर को उनकी विधानसभा की सदस्यता समाप्त होने का नोटिस भेज रही है। ट्विटर पर उन्होंने लिखा, ह्दझारखंड के मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने ठेकेदारी की बात चुनाव आयोग को नहीं बताई। अब उनकी सदस्यता समाप्ति का नोटिस केन्द्रीय चुनाव आयोग भेज रहा है। पहले गुलत रिपोर्ट देने के कारण झारखंड के प्रशासनिक अधिकारी पर भी कार्रवाई हो सकती है। इससे पहले 22 मई को



निशिकांत दुबे ने कहा था कि चुनाव आयोग ने मिथिलेश ठाकुर की सदस्यता खत्म करने के लिए नोटिस भेजने की तैयारी कर ली है। भारत निर्वाचन आयोग लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के

उल्लंघन मामले में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर को नोटिस भेज सकता है। बताया जाता है कि आयोग गढ़वा डीसी द्वारा भेजी गई रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं है। उल्लेखनीय है कि आरटीआई कार्यकर्ता सुनील महतो ने चुनाव आयोग से मिथिलेश ठाकुर के विरुद्ध विधानसभा चुनाव के दौरान भरे गये फॉर्म-26 में चाईबासा के सत्यम बिल्डर्स का पार्टनर होने से संबंधित शिकायत की थी। उन्होंने कहा था कि यह कंपनी सरकारी ठेका लेने का काम करती है। विधानसभा चुनाव के दौरान उनकी राज्य सरकार के

साथ की गई कई संविदाएं अस्तित्व में थीं। सुनील महतो ने इसे लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 9ए का उल्लंघन मानते हुए मिथिलेश ठाकुर की विधायकी समाप्त करने की मांग की थी। इधर, मंत्री मिथिलेश ठाकुर कई बार कह चुके हैं कि विधानसभा चुनाव में उन्होंने अपने बारे में सभी सही जानकारीयां भरी हैं। उसे लेकर शपथ पत्र भी दाखिल किया है। उन्होंने कहा है कि यदि उन्होंने फार्म या शपथपत्र पत्र गलत भरा है तो भारत निर्वाचन आयोग उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करे।

आचार संहिता उल्लंघन मामले में जांच के निर्देश

रंची: रंची डीसी छवि रंजन ने बुधवार को मांडर विधानसभा क्षेत्र उप चुनाव में आदर्श आचार संहिता उल्लंघन मामले में जांच का निर्देश दिया है। अपर जिला दंडाधिकारी को 24 घंटे में जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। कांग्रेस के नेता राजीव रंजन ने भाजपा पर आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का आरोप लगाया था।

उल्लेखनीय है कि बीते पांच



जून को मोरहाबादी मैदान में भाजपा ने रैली की थी। इसमें

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल हुए थे। इसको

लेकर कांग्रेस प्रवक्ता राजीव रंजन ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से इसकी शिकायत की थी। राजीव रंजन ने कहा था कि उप चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया चल रही थी, तभी भाजपा ने आदिवासी रैली का आयोजन किया। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भाजपा की उम्मीदवार गंगोत्री कुजूर के पक्ष में प्रचार किया, जो आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है।

स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

रंची: मांडर विधानसभा क्षेत्र उप चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त छवि रंजन ने बुधवार को मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बाजार समिति पंडरा स्थित मतगणना स्थल में बनाये गये स्ट्रॉंग रूम और मतगणना कक्ष का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। मतगणना कक्ष और प्रस्तावित स्ट्रॉंग रूम की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा भी की। उपायुक्त ने निर्वाची पदाधिकारी मांडर विधानसभा उप

चुनाव को निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए मतगणना की तैयारी के निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि अगले सप्ताह झारखंड में मौनसून प्रवेश कर जाएगा। ऐसे में निर्वाची पदाधिकारी और उप निर्वाचन पदाधिकारी को उचित व्यवस्था करने का निर्देश भी दिया। उपायुक्त ने ईवीएम और वीवीपैट की रिसिविंग के दौरान बेहतर सुविधा रखने का भी निर्देश दिया ताकि मतदान कर्मियों को कोई परेशानी ना हो।



बेड़ो। मांडर विधानसभा उपचुनाव की स्क्रूटनी के बाद शिवसेना प्रत्याशी रेखा कुमारी ने देर शाम गढ़गांव स्थित शिवसेना कार्यालय पहुंच कर शिव सैनिक समर्थक कार्यकर्ताओं के साथ में बैठक की। बैठक के दौरान शिवसेना मांडर विधानसभा उपचुनाव प्रत्याशी रेखा कुमारी ने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं शिवसेना के बैनर तले अपने हिंदुत्व की रक्षा व सत्ता सनातन की एकजुटता को लेकर चुनावी मैदान में उतरी हूं। वही मौके पर मौजूद शिवसेना के झारखंड प्रदेश प्रमुख दीपक सिंह ने कहा कि शिवसेना हमेशा ही अपने हिंदुत्व की रक्षा की लड़ाई के लिए हमेशा ही संघर्षरत है। उन्होंने कहा कि इस बार मांडर उपचुनाव में पार्टी द्वारा उतारे गए उम्मीदवार रेखा कुमारी को हर हाल में विजय बनाने को लेकर कार्यकर्ता अपना कमर कस लें। उन्होंने कहा कि सरना सनातन अपने भगवा रंग को लोगों के चरो तक पहुंचाएं। मांडर विधानसभा में सभी पार्टियों के विधायक ने क्या किया है उस जनता भली-भांति जानती है इसलिए बड़े-बड़े वादे करने वाले पार्टियों के झारसे में ना आकर अपने सरना और सनातन की एकजुटता को लेकर विधानसभा के ग्रामीण कंधे से कंधा मिलाकर योग्य कर्मट शिक्षित एवं सुशाल प्रत्याशी रेखा कुमारी की जीत सुनिश्चित करने के लिए तैयार हो जाए। मौके पर प्रदेश प्रवक्ता गोवर्धन सिंह समेत कई लोग मौजूद थे।

सर्पदंश से 75 वर्षीय महिला अघवा देवी घायल

संवाददाता बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के जरिया पेट्रोल पंप के समीप निवासी लगभग 75 वर्षीय वृद्ध महिला सर्पदंश से गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद परिजनों ने आसपास के लोगों की मदद से तत्काल सर्पदंश की चपेट में आई महिला अघवा देवी पति शिवचरण महतो को आनन फानन में उठाकर इलाज के लिए बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो में डॉक्टर एलान दास ने सर्पदंश से घायल महिला लगभग 75 वर्षीय अघवा देवी का प्राथमिक उपचार करते हुए बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। इधर घटना के बाद सर्पदंश से घायल महिला अघवा देवी ने बताया कि वे बुधवार की देर शाम पानी लेकर घर के अंदर गई है और पानी रखने के स्थान पर रख रहे थे। इसी दौरान एक सांप मेरे अंगुली को काट लिया और सांप मेरे हाथ के साथ ऊपर उठ गया। झटका दिए जाने के बाद सांप हाथ से अलग होकर भाग गया।

खूंटी। वीरता और साहस के कारण अमर शहीद बिरसा मुंडा को क्षेत्र में ईश्वर के रूप में पूजा जाता है। उस भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू की स्थिति में अब तक कोई खास बदलाव नहीं आता। अमर शहीद के इस गांव का उन्ना विकास नहीं हुआ, जितना होना चाहिए था।

उलिहातू गांव के विकास का आश्वासन बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू यादव, तत्कालीन केन्द्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, तत्कालीन मुख्यमंत्री, बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, शिवू सोरेन, मधु कोड़ा, रघुवर दास से लेकर वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी कई बार दे चुके हैं। इतने आश्वासनों के बाद भी न गांव की सूरत बदली और गांव वालों की

किस्मत। झारखंड सरकार ने हर शहीद के गांव के विकास के लिए विशेष योजनाएं चलायीं लेकिन इसका भी असर गांव में नहीं दिखा। न तो गांव वालों को सही ढंग से बिजली मिलती है और न ही चिकित्सा सुविधा। गांव में न रोजगार के साधन हैं और न ही कोई सुविधा।

बिरसा मुंडा कॉम्प्लेक्स में समस्याओं का अंबार

विडंबना है कि प्रदेश के महान सपुत अमर स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू गांव में उनके नाम पर बनाये गये स्मारक कॉम्प्लेक्स में निर्माण के 15 वर्षों बाद भी पानी जैसी बुनियादी समस्या का समाधान न हो सका। इन 15

वर्षों के दौरान प्रदेश में कई सरकारें आयी और गयी, लेकिन गामीणों को मिला आश्वासन कभी पूरा नहीं हुआ।

उलिहातू में करोड़ों की लागत से बनाये गये भगवान बिरसा मुंडा स्मारक कॉम्प्लेक्स में पानी के लिए बोरिंग व अन्य कार्यों में लाखों की राशि खर्च कर दी गयी लेकिन नतीजा सिफर रहा। इस स्थिति में वहां संचालित आवासीय विद्यालय के छात्रों तथा एक हिस्से में कैप बनाकर रहने वाले एसएसबी जवानों को पानी के गंभीर संकट का सामना करना पड़ता है।

एसएसबी के जवान तो टैंकर सहित अन्य संसाधनों से कैप में जरूरत के हिसाब से पानी की व्यवस्था कर लेते हैं लेकिन आवासीय विद्यालय के छात्रों को

लगभग प्रतिदिन पानी की समस्या से जूझना पड़ता है। कॉम्प्लेक्स में पानी की समुचित व्यवस्था ना होने के कारण छात्रों को नहाने तथा शौच के लिए बाहर जाना पड़ता है। साथ ही अन्य जरूरतों के लिए पानी भी लगभग एक किलोमीटर दूर से ढोकर लाना पड़ता है। इतना ही नहीं पूरे गांव में बिजली की गंभीर समस्या है।

सरकार की लापरवाही का नतीजा : दिलीप मिश्रा

उलिहातू गांव का अब तक विकास नहीं होने के संबंध में पूछे जाने पर झांविमो के पूर्व जिलाध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने कहा कि यह सब राज्य सरकार की लापरवाही का नतीजा है। उन्होंने कहा कि झारखंड

में लगभग सभी दलों की सरकारें रही, चाहे भाजपा हो, कांग्रेस हो या झामुमो। अब तक धरती आबा के गांव के सर्वांगीण विकास की ओर किसी का ध्यान नहीं गया। मिश्रा ने कहा कि गांव के विकास की योजनाएं तो बनती हैं, पर उन्हें धरातल पर सही ढंग से नहीं उतारा जाता।

अर्जुन मुंडा का पूरा फोकस उलिहातू पर : भाजपा जिलाध्यक्ष

उलिहातू के विकास के संबंध में भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता ने कहा कि ऐसा नहीं है कि उलिहातू का बिल्कुल विकास नहीं हुआ है। विकास तो जरूर हुआ है और काम अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार भगवान



बिरसा मुंडा पूरा मान-सम्मान देती है। पहले कुछ स्थानों पर ही भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनायी जाती है। अब यह पूरे देश में गौरव दिवस के रूप में मनायी जाती है। उन्होंने कहा कि जनजातीय मामलों के केन्द्रीय मंत्री और खूंटी के सांसद अर्जुन मुंडा का पूरा फोकस उलिहातू के विकास पर है। उन्होंने कहा कि अर्जुन मुंडा बुधवार को उलिहातू में विकास का नया खाका खींचेगे।

संपादकीय

जातीय जनगणना के मायने

अब बिहार में जातीय गणना होकर रहेगी। बिहार में जातीय सर्वे की अधिसूचना मंगलवार को जारी कर दी गयी। सर्वे की ये प्रक्रिया 28 फरवरी 2023 तक पूरी होनी है। इस सर्वे के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। इस सर्वे के दौरान संबंधित लोगों की आर्थिक स्थिति का भी सर्वेक्षण कराया जायेगा। बिहार के बाद अब दूसरे राज्यों में भी इस तरह के सर्वे की मांग उठने लगी है। इससे पहले भी केंद्र सरकार से जातिगत जनगणना की मांग विपक्षी दल करते रहे हैं। पिछले साल बिहार के नेताओं ने प्रधानमंत्री से मुलाकात करके जातिगत जनगणना की मांग की थी। हालांकि, केंद्र की मोदी सरकार इससे इनकार करती रही है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय लोकसभा में भी इस तरह की जनगणना से इनकार कर चुके हैं। केन्द्र सरकार के स्पष्ट रुख के बाद राष्ट्रीय स्तर पर भले जातिवार जनगणना होना मुमकिन न रह गया हो, बिहार सरकार अपने राज्य में यह गिनती करायेंगी। चाहे तकनीकी अड़चनों से बचने के लिए इसे औपचारिक तौर पर जनगणना न कह कर जातिवार गणना कहा जाये या इसी तरह का कोई और नाम दे दिया जाए, मामला यही है कि जब केंद्र सरकार ने कास्ट सेंसस की राह रोकी तो बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने इसके लिए एक नयी राह निकाल ली। अब लगता है कि कई राज्य इस राह पर चलेंगे। महाराष्ट्र में भी विधानसभा पिछले साल जातिवार जनगणना के पक्ष में प्रस्ताव पारित कर चुकी है। तमिलनाडु की सरकार भी केंद्र से जातिवार जनगणना करवाने की मांग कर चुकी है। झारखंड में कई राजनीतिक दल इसकी मांग करने लगे हैं। अब जब बिहार इस राह पर आगे बढ़ चुका है तो इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता कि अन्य राज्य सरकारें भी इस दिशा में पहल करेंगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो सर्वदलीय बैठक के बाद बाकायदा यह उम्मीद जाहिर कर चुके हैं कि एक बार बिहार में यह प्रक्रिया पूरी हो जाए तो अन्य राज्य भी आगे बढ़ेंगे और पूरा देश कवर हो जायेगा। बिहार की इस पहल ने ढेरों सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे पहले तो यह कि केन्द्र सरकार के रुख के विपरीत राज्यों ने अपने कदम बढ़ाने शुरू कर दिये हैं, इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। दूसरा यह कि केन्द्र में भाजपा यह करना नहीं चाहती और बिहार की भाजपा यह चाहती है। यानी पार्टियों में भी टकराव की स्थिति बन सकती है। यह भी सही है कि बिहार, उत्तर प्रदेश समेत देश के कई राज्यों की राजनीति जाति आधारित वोट बैंक पर टिकी हुई है। यहां तक की कई राज्यों के नेता जाति आधारित वोटों के आधार पर ही सरकार चला रहे हैं। वोट बैंक की राजनीति से जुड़ी विवशताओं का ही एक रूप शायद जातीय जनगणना भी है। बहरहाल, आजादी के 75 वर्षों बाद भी यदि विकास के लिए समाज में विभाजनकारी रेखा खींचने की विवशता हो, तो यह देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण ही है। सबसे पहले राजनेताओं को समाज के सभी वर्गों का नेता बनने की काशिश करनी चाहिए।

सामयिकी

मुस्लिम राष्ट्रों की नाराजगी

डा. वेदप्रताप वैदिक

पैगंबर मुहम्मद और इस्लाम के बारे में भाजपा के कुछ पदाधिकारियों की अप्रिय टिप्पणियों को लेकर भारत के अंदर और इस्लामी देशों में कोहराम मचा हुआ है। भाजपा ने अपने प्रवक्ताओं के खिलाफ कार्रवाई कर दी है, लेकिन उससे तो हमारे कुछ मुस्लिम संगठन संतुष्ट हैं और न ही कई इस्लामी राष्ट्र। उनकी टिप्पणियों से कुछ लोग इतने भड़के हुए हैं कि उन्हें वे मौत के घाट उतारना चाहते हैं। लेकिन क्या भड़के हुए लोगों और इस्लामी राष्ट्रों ने यह जानने की भी कोशिश की है कि वे टिप्पणियां क्या थीं और वे कब, कैसे और कहाँ, कहीं गई थीं? शायद नहीं। यदि उन्हें तथ्यों का पता होता तो शायद उनका गुस्सा काफी कम हो जाता। वह टिप्पणी तब की गई थी, जब किसी टीवी चैनल पर ज्ञानवापी मस्जिद के बारे में अनाप-प्रनाप बहस चल रही थी। आसकल हमारे चैनलों पर हर बहस में पार्टी प्रवक्ताओं को बैठा दिया जाता है। वे मूल विषय पर तर्क-वितर्क करने की बजाय एक-दूसरे पर बेलगाम प्रहार करते हैं। उनके मुंह में जो भी आ जाता है, उसे वे बेझिझक उगल देते हैं। एक वक्ता ने शिवलिंग का मजाक उड़ाया तो दूसरे वक्ता ने पैगंबर मुहम्मद के बारे में ऐसी टिप्पणी कर दी, जो निराधार थी। इस तरह के वाक्यांज ही होते हैं। इसीलिए ज्यादातर समझदार दर्शक टीवी पर चलनेवाली बहसों को देखने में अपना वक्त खराब नहीं करते। मेरी कोशिश यही होती है कि उन बहसों में जाना ही नहीं, जिनमें पार्टी प्रवक्ताओं को बैठा दिया जाता है। ऐसी बहस पर भारत के मुसलमानों और इस्लामी देशों का नाराज होना स्वाभाविक है, लेकिन भारत और दुनिया के सभी हिंदू शिवलिंग के मजाक पर भी इसी तरह नाराज हो सकते हैं। लेकिन मेरी राय में इस तरह की नाराजगी का अर्थ क्या यह नहीं है कि आप कुछ गैर-जिम्मेदार लोगों को जरूरत से ज्यादा महत्व दे रहे हैं? जहां तक मुस्लिम राष्ट्रों के खफा होने का सवाल है, सबसे पहले उन्हें खुद से सवाल करना चाहिए कि वे अपने देशों के अन्य धर्मों के साथ कैसा बर्ताव करते हैं? उनके देशों में रहनेवाले ईसाइयों, यहूदियों, हिंदुओं, शियाओं, बहाइयों और अहमदियों के साथ उनका बर्ताव कैसा है? उनके महापुरुषों- मूसा, ईसा, बुद्ध, महावीर, शिव, कृष्ण, महात्मा दयानंद के बारे में वे क्या सोचते हैं? असलियत तो यह है कि ऐसे धार्मिक लोग सच्चे अर्थों में धार्मिक होने के बजाय राजनीतिक ज्यादा होते हैं। वे भगवान के भक्त कम, सत्ता के भक्त ज्यादा होते हैं। इसीलिए वे अन्य धर्मों पर आक्रमण करते हैं। वे अपने महापुरुषों की सीख का भी उल्लंघन करते हैं। कुरान शरीफ में साफ लिखा है- मजहब के मामले में जोर-जबरदस्ती ठीक नहीं (2/256)। क्या गिरजाघरों और मंदिरों को गिरानेवाले आक्रांत सच्चे मुसलमान थे? पैगंबर मुहम्मद कितने उदार थे, यह तो इसी से पता चल जाता है कि उन पर रोज कूड़ा फेंकनेवाली एक यहूदी बुढ़िया जब बीमार पड़ गई तो वे चिंतित हुए और उनका हाल पूछने उसके घर में गए और उसकी तीमारदारी करी। मुझे समझ में नहीं आता कि कोई अकेला ईंसान तो धर्मांध हो सकता है, लेकिन विभिन्न देशों की सरकारें धर्मांधता के कुएं में क्यों गिर पड़ती हैं?



अवधेश कुमार

ऐसे में विश्व के सबसे बड़े हिंदू संगठन के नेता के नाते भागवत ने ऐसा वातावरण बनाने की कोशिश की है ताकि न केवल गहरे हो रहे संदेह और तनाव खत्म हों, बल्कि आश्वासन भी मिले कि देश का एकमात्र अजेंडा मंदिर-मस्जिद विवाद नहीं है। भागवत ने मुसलमानों को भी आगाह करते हुए कहा कि उन्होंने इस्लाम की उपासना पद्धति को अपनाया है और उसमें कोई हर्ज नहीं है, लेकिन वे बाहर से संबंध नहीं रखते, ये उनको भी समझना चाहिए।

अभिव्यक्ति

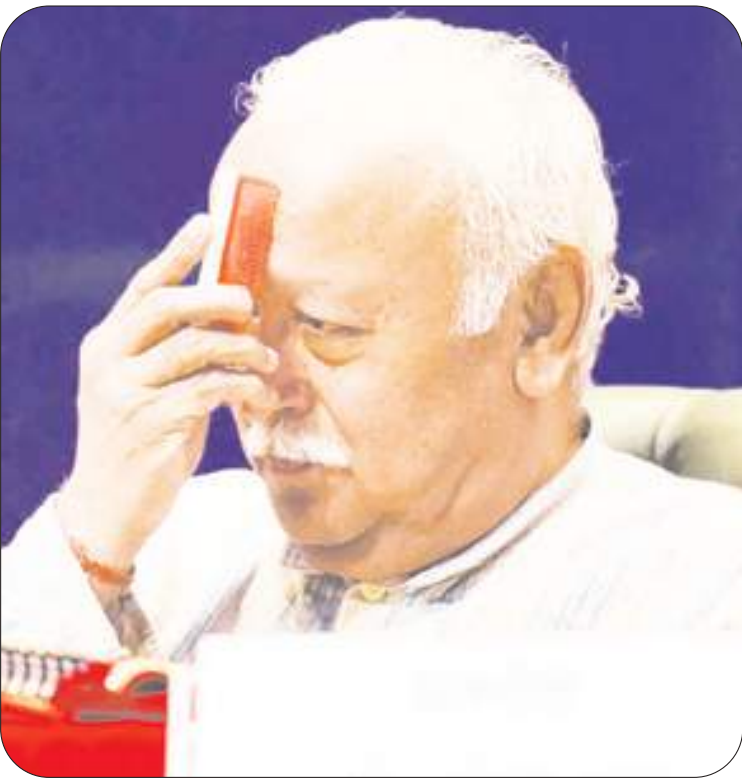
भागवत की बात पर क्यों भड़के समर्थक

यह पहली बार है, जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक के किसी वक्तव्य का समर्थकों की ओर से इतना व्यापक विरोध हुआ है। अनेक साधु-संत, महंत और छोटे-बड़े हिंदू संगठन चलाने वाले कह रहे हैं कि ज्ञानवापी पर भागवत का बयान मुस्लिम समुदाय का समर्थन है। मुस्लिम समुदाय के अंदर भी अनेक नेता भागवत के वक्तव्य को धोखा बता रहे हैं। क्या वाकई भागवत ने ऐसा कुछ बोल दिया है, जिसका इतना तीखा विरोध दोनों समुदायों की ओर से होना चाहिए? संघ अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मुक्ति के संघर्ष की मुख्य शक्ति रहा है। मथुरा और काशी दोनों उसके घोषित अजेंडे के भाग हैं। ऐसे में भागवत का यह कहना कि सभी मस्जिदों में शिवलिंग क्यों तलाशाए, बहुतों के गले नहीं उतर रहा।

विरोधियों की खामोशी

हालांकि संघ के हर वक्तव्य पर आग उगलने वाले राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस बयान पर मौन साधा हुआ है। नेताओं की समस्या है कि वे संघ को मुस्लिम विरोधी, मंदिर मस्जिद विवाद खड़ा कर तनाव पैदा करने वाला फासीवादी संगठन साबित करते रहे हैं, जबकि इसके प्रमुख ने शांति, सौहार्द बनाए रखने वाला बयान दिया है। वे संघ का समर्थन कर नहीं सकते, इसलिए खामोश हैं। राजनीतिक और गैर-राजनीतिक स्तर पर कट्टर मुस्लिम नेताओं का अस्तित्व ही संघ और बीजेपी विरोध पर टिका है। भागवत के बयान का समर्थन कर वे भी अपनी हैसियत क्यों खत्म करना चाहेंगे?

इन्हीं स्थितियों में भागवत के बयान का सच भी निहित है। पहले बयान की उन पंक्तियों को देखें जो विवाद के मूल आधार हैं- रोज एक मामला निकाल लाएं नया, ये भी नहीं करना चाहिए। हमको झगड़ा क्यों बढ़ाना। ज्ञानवापी के बारे में हमारी श्रद्धा परंपरा से चलती आयी है। हम करते आ रहे हैं वह ठीक है, पर हर मस्जिद में शिवलिंग क्यों देखना? ज्ञानवापी, मथुरा, कुतुबमीनार आदि मुद्दे उभरने के बाद मुस्लिम समुदाय के कुछ प्रमुख चेहरों ने प्रचार किया है कि मुसलमानों के लिए मजहब का पालन करना कठिन हो जायेगा, मस्जिदें छीन ली जायेंगी, संघ और



बीजेपी हिंदुत्ववादी अजेंडे के तहत सब कुछ कर रहे हैं। दूसरी ओर हिंदुत्ववादी खमे में भी कुछ तत्व प्रतिक्रियाओं में अतिवादी रुख अपना रहे हैं। ऐसे में विश्व के सबसे बड़े हिंदू संगठन के नेता के नाते भागवत ने ऐसा वातावरण बनाने की कोशिश की है ताकि न केवल गहरे हो रहे संदेह और तनाव खत्म हों, बल्कि आश्वासन भी मिले कि देश का एकमात्र अजेंडा मंदिर-मस्जिद विवाद नहीं है। भागवत ने मुसलमानों को भी आगाह करते हुए कहा कि उन्होंने इस्लाम की उपासना पद्धति को अपनाया है और उसमें कोई हर्ज नहीं है, लेकिन वे बाहर से संबंध नहीं रखते, ये उनको भी समझना चाहिए। यानी मुसलमान अपनी उपासना पद्धति में रहें, लेकिन ध्यान रखें कि वे यहीं के हैं।

ज्ञानवापी विवाद का विरोध नहीं

भागवत ने ज्ञानवापी विवाद का भी विरोध नहीं किया है। उन्होंने यही तो कहा है कि दोनों



आरुके सिन्हा

खबर है कि आईआईटी, दिल्ली के प्रो. दिलीप टिजा साहनी को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने एक बेहद अहम जिम्मेदारी सौंपी है कि वे यह देख कर बताएं कि भारत के विभिन्न करेंसी नोटों में महारत्ना गांधी के साथ-साथ गुरुदेव रविन्दनाथ टैगौर तथा पूर्व राष्ट्रपति तथा मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम के जल चित्रों (वाटर मार्क) का उपयोग करना कैसा रहेगा।

राजधानी के संसद मार्ग पर बनी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) बिल्डिंग के बाहर लगी यक्ष और यक्षिणी की मूर्तियों के पास खड़े होकर बैंक के कुछ मुलाजिम बात कर रहे हैं कि अगर उनके बैंक ने कुछ करेंसी नोटों पर गांधी जी के जल चित्रों के अलावा किसी अन्य महापुरुष के चित्रों को भी जगह देनी शुरू कर दी तो क्या होगा? दरअसल रिजर्व बैंक के मुंबई, दिल्ली, कानपुर आदि के दफ्तरो में आजकल इस तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इसकी वजह यह है कि रिजर्व बैंक में शीर्ष स्तर पर विचार हो रहा है कि कुछ नोटों पर कुछ अन्य महापुरुषों के जल चित्र भी शामिल कर लिए जाएं। यानी गांधी जी के साथ कुछ करेंसी नोटो में कुछ अन्य महापुरुषों को भी जगह मिल जाए। अगर यह होता है तो फिर तमाम दूसरी हस्तियों के जल चित्र भी आरबीआई की तरफ से जारी होने वाले नोटों पर शामिल करने की मांग होने लगेगी। यह निश्चित है, इसलिए भारत के करेंसी नोटों पर बापू के ही जल चित्र बने रहें तो सही होगा। यह बात समझ से परे है कि हमारे नोटों में गांधी जी को अपदस्थ करने की कोशिशें क्यों होने लगी हैं। इसकी जरूरत ही क्या है? क्या इस तरह की किसी ने मांग की है? गांधी जी का वैसे ही अब लगभग पूरे देश में भरपूर अनादर होने लगा है। उनकी मूर्तियों को तोड़ा जा रहा है। उनके हत्यारे को हीरो मानने वाले भी पैदा हो गए हैं। वे सिर्फ आरबीआई की तरफ से जारी होने वाले नोटों में ही सुरक्षित थे। अब वहां से भी उन्हें बाहर किया जा रहा है। इसे रोका जाना चाहिए। हां, रिजर्व बैंक अब तो यह सफाई दे रहा है कि गांधी जी अपनी जगह पर रहेंगे। पर जनत की हकीकत कुछ और है।

वेशक देश को उन लोगों के नाम बताए जाएं, जो गांधी जी को नोट से भी बाहर करना चाह रहे हैं? यह किसकी शह और पहल पर हो रहा है? खबर है कि आईआईटी, दिल्ली के प्रो.दिलीप टी साहनी को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने एक बेहद अहम जिम्मेदारी सौंपी है कि वे यह देख कर बताएं कि भारत के विभिन्न करेंसी नोटों में महारत्ना गांधी के साथ-साथ गुरुदेव



रविन्द्रनाथ टैगौर तथा पूर्व राष्ट्रपति तथा मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम के जल चित्रों (वाटर मार्क) का उपयोग करना कैसा रहेगा। बताया जाता है कि आरबीआई ने उन्हें इन दोनों महापुरुषों के जल चित्रों (वाटर मार्क) के दो-दो सेट भेजे हैं। प्रो. साहनी अब बताएंगे कि करेंसी नोटों में इन दोनों महापुरुषों के जल चिह्न किस तरह के दिखाई देते हैं। दरअसल यह खबर है कि सरकार विचार कर रही है कि कुछ करेंसी नोटों में टैगौर तथा डॉ. कलाम के जल चित्र भी शामिल कर लिए जाएं। हालांकि, इस बारे में अंतिम निर्णय होना बाकी है, पर सरकार ने अपना कदम बढ़ाने जरूर शुरू तो कर ही दिए हैं। प्रो. साहनी को साल 2022 में शिक्षा के क्षेत्र में टोस कार्य करने के चलते पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वे सरकार को रक्षा क्षेत्र में अनुसंधानों में मदद करते हैं। प्रो. साहनी ने आईआईटी, खडगपुर से शिक्षा ग्रहण की है। उन्होंने आईआईटी, दिल्ली से पीएचडी की। वे लगातार चार दशक तक आईआईटी दिल्ली में पढ़ाते रहे। वे अब भी यहां पर विजिटिंग प्रोफेसर हैं। एक बात साफ हो जाए कि इसमें किसी को शक नहीं होना चाहिए कि गुरुदेव टैगौर और कलाम साहब भी देश के नायक हैं। सारा देश उनका आदर करता है। इस बारे में कोई दो राय नहीं है। पर गांधी जी के सामने सब उनीस हैं। गांधी तो सदियों में एक बार होते हैं। अगर देश ने अपने करेंसी नोटो में उन्हें जगह दी है तो कोई

एहसान नहीं किया। जो भी गांधी जी को नोटों से बाहर करने पर अमावा है, वे जान लें कि एक बार नोटों से गांधी जी को हटाया गया तो फिर तमाम महापुरुषों को नोटों में जगह देने की मांग होने लगेगी। उसका कोई अंत ही नहीं होगा। तब हालात हाथ से निकल चुके होंगे। इसलिए नोटों से गांधी जी को बाहर करने से पहले सो भी सोच लेना चाहिए। देश को कुछ चीजों में बदलाव के बारे में सोचना ही नहीं चाहिए। क्या राष्ट्रीयता को बदलने या संशोधन करने के प्रस्ताव या मांग को माना जा सकता है? नहीं न? यकीन कीजिए कि हमारे यहां राष्ट्रगान में संशोधन की मांग पहले भी उठ चुकी है। क्या राष्ट्रगान में संशोधन हो सकता है? क्या राष्ट्रगान में अधिनायक की जगह मंगल शब्द होना चाहिए? क्या राष्ट्रगान से सिंध शब्द के स्थान पर कोई और शब्द जोड़ा जाए? पहले भी सिंध शब्द को हटाने की मांग हुई थी, इस आधार पर कि चूँकि सिंध अब भारत का भाग नहीं है, इसलिए इसे राष्ट्रगान से हटाना चाहिए। ऐसी बेहदगी भरी बातें करने वाले लोग हमारे बीच में कम नहीं हैं। अरबी लोग जब हिंदुस्तान आये तो सिन्धु नदी को पार करके आए। अरबी में 'स' को 'ह' बोलते हैं इसलिए सिन्ध की जगह हिन्द कहकर उच्चारण करते थे। यानि सिंध के पार 'हिन्द' और वहां के बाशिंदे 'हिन्दू'। साल 2005 में संजीव भटनागर नाम के एक शख्स ने सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की थी, जिसमें सिंध भारतीय प्रदेश न होने के आधार पर जन-गण-मन से निकालने की मांग की थी। इस याचिका को 13 मई, 2005 को सुप्रीम कोर्ट के तब के मुख्य न्यायाधीश आर.सी. लाखोटी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सिर्फ खारिज ही नहीं किया था, बल्कि संजीव भटनागर की याचिका को 'छिछरी और बचकानी मुकदमेबाजी' मानते हुए उन पर दस हजार रुपये का दंड भी लगाया था। तो फिर करेंसी नोटों में गांधी जी के साथ अन्य के जल चित्र क्यों जाए? चिंता इसलिए हो रही है कि बात बहुत आगे जा चुकी है। इससे पहले कि गांधी जी को नोट से बाहर कर दिया जाए, देश सरकार से मांग करे कि ऐसा कभी न किया जाए।

विज्ञान चलकर मानता है और धर्म मानकर चलता है



नीरज बधवार

कहा जाता है कि मोहम्मद साहब पर एक औरत रोज कूड़ा फेंका करती थी, मगर उन्होंने कभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। न ही इस हरकत के लिए उनके शिष्यों ने महिला से कोई बदसलूकी की। एक दिन महिला नहीं दिखी तो मोहम्मद साहब ने उसके बार में आसपास के लोगों से पूछा। पता चला कि उसकी तबीयत खराब हो गई है। ये पता लगने के बाद पैगम्बर साहब हाल जानने महिला के घर पहुंचे। कहते हैं- इसके बाद उन्होंने तब तक उस महिला की तीमारदारी की जब तक वो पूरी तरह ठीक नहीं हो गई। गुरु-शिष्य सम्बन्ध पर बात करते हुए गौतम बुद्ध ने अपने शिष्यों को कहा था कि मैं नहीं चाहता कि मुझे देखकर तुम इतने गंभीर हो जाओ। मैं चाहता हूं तुम मेरे साथ दोस्तों की तरह रहो। मेरे सामने मेरा ही मजाक बनाओ। मुझे चुटकुले सुनाओ और जो मन में आए बेहिवचन पूछो, मैं कभी किसी बात का बुरा नहीं मानूंगा। मैं नहीं चाहता कि मेरी मौजूदगी के दबाव में तुम हर वक्त मेरे सामने गंभीर चेहरे लेकर बैठे रहो। अमेरिकी प्रवास के दौरान ओशो से एक अमेरिकी पत्रकार ने पूछा था कि आप क्या चाहते हैं कि आपको किस रूप में याद रखा जाए? जानते हैं



संबंधित धर्म के मानने वालों को शर्मिदा करे। इस्लाम में पैगम्बर मोहम्मद की शादी की उम्र ये विषय हो सकता है, तो हिंदुओं के लिए धोबी के कढ़ेन पर भगवान राम का सीता का त्याग करना और बाहबल में ईश्वरीय प्रभाव से मरियम के गर्भवती होने की बात जिसके बाद यीशु का जन्म हुआ। अब किसी भी बहुधर्मी समाज में ये बड़ा जरूरी होता है कि आप ऐसे नाजुक मुद्दों पर बात कर सामने वाले की धार्मिक भावनाओं को आहत न करें। कारण यह है कि किसी भी धार्मिक व्यक्ति के लिए उसका धर्म आस्था का विषय ज्यादा होता है, विज्ञान का कम। वैसे भी कहा जाता है कि विज्ञान चलकर मानता है और धर्म मानकर चलता है। इसलिए मेरा मानना है कि चाहे नूपुर शर्मा हों या शिवलिंग का मजाक उड़ाने वाले एक से ज्यादा मुस्लिम स्कॉलर, किसी को भी ऐसा करने से बचना चाहिए था। वैसे भी (जैसा मैंने शुरू में कहा) अपने आराध्य देव के विपरीत भक्त बड़ी नाजुक तबीयत

के होते हैं। इनकी आस्था बुलबुलों की बनी होती है। इसलिए इन्हें आहत करने से बचना चाहिए। लेकिन, बचाव की ये समझाइश एकतरफा नहीं हो सकती। जिन नूपुर शर्मा के बयान पर कानपुर से लेकर कतर तक दुनियाभर का मुस्लिम समाज भड़का हुआ है, वह बयान उन्होंने बिना किसी संरर्ष के तो नहीं दे दिया। ऐसा तो नहीं था कि बात यह चल रही थी कि दो गिलास शिर्कजी में कितने चम्मच चीनी डालनी चाहिए और अचानक से वो पैगम्बर साहब की शादी की बात करने लगी।

पाकिस्तान में प्रदर्शन

नूपुर शर्मा ने तैश में वो बयान दिया, क्योंकि सामने बैठे मुस्लिम स्कॉलर शिवलिंग पर संवेदनहीन टिप्पणी कर रहे थे। इस तरह की टिप्पणियां कई मुस्लिम स्कॉलर ज्ञानवापी मस्जिद में कथित तौर पर शिवलिंग मिलने के दावे के बाद से करते आ रहे थे। पूरा सोशल मीडिया अजीबोगरीब चीजों से

शिवलिंग की तुलना कर उसका उपहास उड़ाने वाली तस्वीरों से भरा हुआ है। अब सवाल यह है कि दूसरे की धार्मिक भावनाओं को जानबूझकर आहत करते हुए आप यह उम्मीद कैसे कर सकते हैं कि सामने वाला पलटवार नहीं करेगा? किसी भी बहस का यह बुनियादी मनेविज्ञान है कि कोई आपको फ्रीलिंग हर्ट करता है तो आप भी ऐसी जली-भुनी बातें करते हैं ताकि सामने वाला भी तहस-नहस हो जाए। उस बहस में नूपुर शर्मा ने भी यही किया। मैं फिर इस बात को अंडरलाइन करता हूं कि उन्होंने जो भी कहा, उन्हें नहीं कहना चाहिए था, लेकिन उन्होंने जो कहा, उसका उकसावा उस बहस के दौरान और उससे कई दिन पहले से मिल रहा था। ऐसा नहीं हो सकता कि आप कहें कि मुझे तो शिवलिंग का मजाक उड़ाने की छूट दी जाए, ऐसे मजाक उड़ाने वाले Tweets को Retweet करने का हक दिया जाए लेकिन तुम ऐसी कोई बात नहीं करोगे जिससे मेरी भावनाएं हर्ट हों और ऐसा किया, तो मैं तुम्हारा सर तन से जुदा कर दूंगा! वो बहस जो एक का हथियार नहीं बना सकते। आप आज ऐसा करेंगे तो इससे दूबारा पक्ष भी उग्र हो जाएगा। अपने धर्म और उनकी मान्यताओं के इंद-गिर्द होने वाले हंसी मजाक, टीका टिप्पणी को हो सकारा है, कल तो वह नजरअंदाज कर देता था, मगर आज के बाद वो ऐसा करई नहीं करेगा। इससे पूरा समाज और उग्र, हिंसक हो जाएगा।

अरब देशों का दोगलापन

इस पूरे मामले में सबसे कड़ी प्रतिक्रिया अरब देशों की तरफ से आई है। कहा जा रहा है कि उन्हीं की

हिंदू राष्ट्र आदि की अवधारणा जैसे तमाम विषय समाहित थे। ज्ञानवापी और अन्य विवाद उसका एक छोटा अंश थे। संघ भारत के ऐसे स्वरूप के लिए काम करता है, जिसमें इस तरह के विवादों की गुंजाइश ही समाप्त हो जाए।

संघ का आंदोलन

जहां तक आंदोलन की बात है तो उन्होंने कहा है कि अपनी प्रवृत्ति के विरुद्ध ऐतिहासिक कारणों से संघ अयोध्या आंदोलन में शामिल हुआ। वास्तव में संघ संगठन के तौर पर आंदोलन नहीं करता। संघ के स्वयंसेवक या उसके बनाए हुए दूसरे संगठन आंदोलन करते हैं। संघ का साहित्य पढ़ें या उनके नेताओं से बात करें तो साफ हो जाएगा कि उनका मुख्य काम स्वयंसेवक बनाना और उनका चरित्र निर्माण करना है, जिससे वे देश को परम वैभव यानी उच्चतम शिखर पर ले जाने में भूमिका निभा सकें। स्वयंसेवक अलग-अलग तरह की गतिविधियों में शामिल होते हैं, अनेक आंदोलनों में भी उनकी सहभागिता रही है। किंतु संगठन के तौर पर संघ आंदोलन नहीं करता। मोहन भागवत ने इसे ही स्पष्ट किया है। हां, इसके द्वारा उन्होंने उन लोगों के दुष्प्रचारों का उत्तर भी दिया है, जो बता रहे थे कि आगे संघ अयोध्या की तरह इसके लिए भी बड़ा अभियान चलाएगा।

अतिवादी बयानों से नुकसान

साफ है कि मोहन भागवत के वक्तव्य को संपूर्णता में देखने की आवश्यकता है। उन्होंने हिंदुत्व और हिंदू राष्ट्र की व्यापक कल्पना के अनुरूप ही अपनी बातें रखी हैं, जो संघ की मूल अवधारणा है। पिछले कुछ वर्षों में हिंदुत्व के नाम पर अतिवादी बयान देने वालों ने अपने साथ विचारधारा के लिए भी समस्याएं पैदा की हैं। ज्ञानवापी, मथुरा और कुतुब मीनार पर मुस्लिम पक्ष के अनेक चेहरों ने जो किया है, वह उचित नहीं है, लेकिन उन पर प्रतिक्रिया देने की जगह भागवत ने व्यापक संदर्भों में सभी पक्षों का ध्यान रखते हुए बातें रख दी हैं। इसका सार यही है कि मुद्दे, भावनाएं सही हैं ,जो न्यायालय में गए वे भी सही हैं लेकिन हर मस्जिद को इस ढंष्टि से देखना कि वह मंदिर तोड़कर ही बनाया गया राष्ट्रहित में नहीं है।

सुरक्षा बलों की कार्रवाई ने नक्सलियों के मंसूबे पर फेर पानी

सीआरपीएफ व पुलिस की कार्रवाई में मिला विस्फोटक

नवप्रदेश संवाददाता

लोहरदगा : जिले में सुरक्षा बलों को नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान के दौरान एक बार फिर बड़ी कामयाबी मिली है। भाकपा (माओवादी) संगठन के नक्सलियों द्वारा सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नियत से जंगली-पहाड़ी क्षेत्र में छिपाकर रखे गए आईईडी समेत भारी मात्रा में कारतूस सुरक्षा बलों ने बरामद किया है। जिनमें 2-2 किलोग्राम के छह आईईडी, 421 चक्र से जिंदा कारतूस, जिनमें सेमी राइफल का 279 अदद, 0.315 का 110 अदद, छोटा पिस्टल का 32 अदद जिंदा कारतूस, बड़ा स्टील केन दो अदद, इलेक्ट्रिक वायर, एमसील पैकेट शामिल हैं। इन विस्फोटकों से काफी क्षति पहुंच सकती थी। यह सफलता नक्सलियों के खिलाफ सर्च



ऑपरेशन के दौरान पुलिस को हाथ लगी है। उक्त सभी सामान नक्सलियों द्वारा जंगलों में छिपाकर रखे गए थे। जिन्हें सर्च ऑपरेशन के दौरान बरामद किया गया है। सुरक्षा बलों द्वारा यह

कामयाबी प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओवादियों) के लिए बड़ा झटका दिया गया है। पुलिस कप्तान आर रामकुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि विगत फरवरी

माह में चलाए गए ऑपरेशन डबल बुल के पश्चात नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) क्रियावदी रिज्जल कमांडर रविंद्र गंडू अपने दस्ते को लोहरदगा जिला में पुनः संगठित करने की

योजना बना रहा है। वह अपने कुछ दस्ता सदस्यों द्वारा सैरेंगदाग थाना अंतर्गत चपाल, जुड़नी, गुनी आदि के आसपास जंगलों में भ्रमणशील रहकर डंप किए गए आईईडी, विस्फोट सामग्रियों,

हथियार, गोली आदि को निकालने की योजना बनाई है। जिसके बाद पुलिस कप्तान रामकुमार द्वारा डीएसपी अभियान दीपक पांडेय के नेतृत्व में सीआरपीएफ 158 बटालियन, झारखंड जगुआर का एसॉल्ट ग्रुप, बीडीडीएस टीम और लोहरदगा जिला पुलिस बल की विशेष अभियान टीम गठित की गई।

टीम के द्वारा संयुक्त रूप से सैरेंगदाग थाना क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान जुड़नी, गुनी, दुंदरू, चपाल आदि क्षेत्रों में सुरक्षा बल के जवानों ने सर्च ऑपरेशन चलाया, जिसके फलाफल यह कामयाबी मिली है। पुलिस कप्तान ने बताया कि बरामद 6 आईईडी केन बम को मौके पर ही जेजे के बीडीडीएस टीम द्वारा डिस्पोजल कर दिया गया।

अवैध ढ़िबरा लदा कमांडर जब्त, तीन गिरफ्तार



संवाददाता

डोमचांच (कोडरमा) : पुलिस कप्तान के निर्देश पर डोमचांच थाना प्रभारी अब्दुल्लाह खां के नेतृत्व में डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत नेरूपहाड़ी के समीप मंगलवार देर संध्या अवैध ढ़िबरा लदा कमांडर वाहन को जप्त किया गया। जिसका नम्बर एम पी 54 डी 0246 मौके से तीन युवकों को भी गिरफ्तार किया गया। मामले को लेकर डोमचांच थाना प्रभारी अब्दुल्ला खान ने मामले को कांड

संख्या 63/22 धारा 379, 411, आईपीसी व 54 जे एम एम सी रूल 2004 व 21 (1), 21(5) माईस और मिनिरल्स (डेवलपमेंट्स रेगुलेशन) एक्ट 1957 & 33 वन अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए तीनों गिरफ्तार अभियुक्तों भीम लाल कुमार मेहता पिता छोटन मेहता, राजेश कुमार मेहता पिता स्वर्गीय रामेश्वर मेहता, बबलू कुमार पिता मल्लू सिंह तीनों तेतरियाडीह थाना डोमचांच निवासी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

संवाददाता

लोहरदगा : रोहतासगढ़ की यादें और आदिवासी समाज के धरोहर को कायम रखने को लेकर सेन्हा प्रखंड के पारही ग्राम में सरना रीति रिवाज के अनुसार आयोजित हुआ जनी शिकार कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में नवनिर्वाचित जीप सदस्य राधा तिकी एवं विशिष्ट अतिथि नवनिर्वाचित पंचायत मुखिया अनिल उराँव मौजूद रहे। सेन्हा प्रखंड के पारही ग्राम में बुधवार को आयोजित जनी शिकार कार्यक्रम में जुरिया ग्राम एवं पारही ग्राम के लगभग एक हजार महिलाओं ने पुरुष के वेश-भूषा में पारंपरिक हथियारों के साथ जनी शिकार में शामिल हुईं। जिसका स्वागत समस्त गांव की महिलाओं द्वारा पारंपरिक ढंग से किया गया। मुख्य अतिथि नवनिर्वाचित सेन्हा प्रखंड जिप सदस्य राधा तिकी ने



जनी शिकार कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि रोहतासगढ़ में जब गांव के सभी पुरुष लोग विष्णु सेंदरा के लिए घर से निकल चुके थे, तब गांव में कोई पुरुष नहीं था। उसी समय मुगल शासकों द्वारा किला को लूटने के लिए चढ़ाई किया गया था। जिससे राजकुमारी वीरांगना सीनगी दई और जितने दासी गांव के महिलाओं के साथ मिलकर पुरुषों

के वेशभूषा बनाकर मुगल शासकों से लड़ाई करने मैदान में उतर गए और 11 बार मुगल शासकों को हारया और भागने पर विवस कर दिया गया। जिससे मुगल शासकों को लड़ाई छोड़ भागना पड़ा था। जिसके याद में आज 12 साल में एक बार जनी शिकार का आयोजन किया जाता है। जनी शिकार में शामिल होने आए लोगों को एक झंडा दिया गया। इस

मौके पर भडगांव मुखिया अनिल उरांव, पंचायत समिति सदस्य अमन उरांव, जनी शिकार को आयोजनकर्ता मुनिया उरांव, सरस्वती उरांव, पति उरांव, कृष्णा उरांव, रामकिशुन उरांव, महादेव भगत, जसमनी उरांव, विजेंद्र उरांव, सुरेंद्र उरांव, बालेश्वर उरांव, दिलीप उरांव निरंजन उरांव निर्मल उरांव सहित आदिवासी समाज के महिलाएं व पुरुष उपस्थित थे।

कोडरमा ने गोड्डा को 35 रन से हराकर दर्ज की लगातार दूसरी जीत



झुमरी तिलैया (कोडरमा): झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन और कोडरमा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में कोडरमा जिला अंतर्गत झुमर मैदान गुमो झुमरी तिलैया में खेले जा रहे इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर सिक्सटीन क्रिकेट टूर्नामेंट में आज कोडरमा और गोड्डा के बीच मैच खेला गया। कोडरमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 28 ओवर में अपने सभी विकेट खोकर 138 रन बनाए। वहीं लक्ष्य का पीछ करने उतरी गोड्डा की टीम 27. 4 ओवर में 103 रन पर ही ढेर हो गई। गोड्डा की ओर से दीपक ने 41 रन और

आर्यन ने 26 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए कोडरमा की ओर से प्रियांशु और अभय ने तीन-तीन विकेट पीयूष ने दो विकेट और यश गुप्ता ने 1 विकेट चटकाए। कोडरमा के प्रियांशु को मैन ऑफ द मैच दिया गया। समारोह में ही जेएससीए द्वारा प्रतिनियुक्त ऑब्जरवर देवेश चंद्र और बीसीसीआई के स्कोरर राजू कुमार पांडे ने कहा कि कोडरमा की मेजबानी बहुत ही अच्छी रही। कोडरमा आना हमारे लिए बहुत ही गौरवान्वित करने वाला पल रहा। कोडरमा जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा खेल के क्षेत्र में उहरेने के क्षेत्र

जान मारने की नीयत से मारपीट कर जख्मी व छीनताई करने को लेकर थाने में एफआईआर दर्ज

मरकच्चो (कोडरमा) : थाना क्षेत्र के ग्राम बरियारडीह में बेटे और सौतेली माता पिता के साथ 6 जून 22 को मारपीट और छीनताई होने का मामला प्रकाश में आया है। मामले को लेकर बरियारडीह निवासी सकलदेव दास ने थाने में लिखित आवेदन देकर दिनांक 7 जून 22 को कराया गया एफआईआर दर्ज। वहीं दिए गए आवेदन में बताया गया है की दिनांक 6 जून 22 को मेरी बेटी शाम को अपने घर के सामने रोड पर खड़ी थी। इस दौरान मेरी सौतेली माँ सबिया देवी आयी और बिना कहे पूछे एका एक मेरी बेटी को जान बूझकर धक्का दे दी, जिसे मेरी बेटी गिरकर जख्मी हो गई। और बेटी को गिरते देख जब मैं पहुँचे गया की मेरी बेटी ने क्या गलती की जो मेरी बेटी को तुमने धक्का दे दिया। तो इतने में पूर्व से घात लगाए बैठे रीतलाल दास, लालू दास, राहुल दास और विकास दास चारों के पिता प्रसाधि दास व प्रसाधि दास पिता ख नेमन दास सभी ग्राम बरियारडीह, थाना मरकच्चो, जिला कोडरमा ने एकमत होकर हाथ में लिए टांगी, लोहे का रड एवं धारदार टांगी से रीतलाल दास ने अचानक मेरे ऊपर वार कर दिया जो बवते बवते मुझे कान में लगाया, जिसे जख्मी हो जाने से काफ़ी खून बहने लगा। और मेरी पत्नी के गले से सोने का चैन छीन लिए। इस तरह उपरोक्त सभी लोग जान मारने की नीयत से मारपीट कर पूरी तरह जख्मी कर दिए।

अवैध तरीके से अंग्रेजी शराब परिवहन करते दो गिरफ्तार



संवाददाता

चंदवारा (कोडरमा) : चंदवारा थाना पुलिस ने शराब का अवैध परिवहन करते दो युवकों को पकड़कर अंग्रेजी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को दो युवकों द्वारा बस से बैग में अंग्रेजी शराब भरकर ले जाने की सूचना चंदवारा थाना पुलिस को मिली थी। सूचना के आधार पर जांच की गई। इस मामले में सल्लिप दो

लोगो की गिरफ्तारी भी हुई है। जिनकी पहचान डब्लू कुमार पिता शिवपूजन देव साकिन मकडुमपुर थाना मकडुमपुर जिला जहानाबाद बिहार व बगेश मांझी पिता स्व लालमोहन मांझी साकिन समोचक थाना मकडुमपुर जिला जहानाबाद बिहार के रूप में हुई है। पकड़े गए युवकों ने बताया कि शराब तिलैया से बरही ले जा रहे थे। अग्रेत्तर कार्रवाई हेतु उत्पाद विभाग को सुपुर्द कर दिया गया।

ब्रीफ न्यूज

समाज के मजबूती के लिए हों संकल्पित : सूरज



गुमला : गुमला जिला सूरँडी समाज की प्रखंड स्तरीय बैठक पालकोट प्रखंड मे संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश प्रखंड कमिटी का पुनर्गठन करना था। बैठक की अध्यक्षता श्री शिव प्रसाद साहू ने किया, कमिटी के पुनर्गठन हेतु जिला से नियुक्त प्रखंड प्रभारी श्री कैलाश साहू, सह -प्रभारी श्री अर्जुन साहू सहित जिलाध्यक्ष श्री सूरज कुमार साहू, सचिव संदीप प्रसाद, प्रदेश युवा अध्यक्ष श्री दिलीप नाथ साहू के देख रेख मे सर्वसम्मति से नई कमिटी का गठन किया गया। जिलाध्यक्ष सूरज कुमार साहू ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा की आज भारत युवा है देश के उत्थान और विकास मे युवाओं की ही महती भूमिका है, किसी भी संगठन की बागडोर युवा बखूबी निभा रहे हैं। अपनी युवा सोच और सकारात्मक ऊर्जा का उपयोग युवा समाज के कल्याण और विकास मे लगाएं। बैठक मे सर्वसम्मति से मुख्य संरक्षक श्री शिव प्रसाद साहू, संरक्षक श्री राजेंद्र प्रसाद साहू, अध्यक्ष गौतम साहू, उपाध्यक्ष अशोक साहू, महावीर साहू, सचिव - मनोप साहू, सह -सचिव आशीष साहू , अवधेश कुमार साहू, कोषाध्यक्ष दिलीप कुमार साव और कार्यकारिणी मे श्री भोला प्रसाद साहू, केवल प्रसाद साहू, रामविलास साहू, फुलवा साहू, द्वारिका साहू और जितेंद्र साहू का चयन किया गया। सभी नवचयनित पदधिकारियों को माला पहना कर जिलाध्यक्ष द्वारा स्वागत किया गया। नव चयनित प्रखंड अध्यक्ष श्री गौतम ने कहा की समाज हित मे हमारा कदम हमेशा आगे बढ़ेगा और हमारी पूरी कमिटी समाज के मजबूती के लिए कृत संकल्पित है। मौके पर समाज के दर्जनों सदस्य उपस्थित थे।

बच्छेडीह सरकारी विद्यालय से पंखा चोरी



डोमचांच (कोडरमा): प्रखंड अंतर्गत बच्छेडीह के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय कुशमई में मंगलवार रात अज्ञात चोरों द्वारा विद्यालय के कमरे का ताला तोड़ पंखा चोरी कर लेने का मामला सामने आया है।इस संबंध में विद्यालय के प्रधानाचार्य शत्रुघन प्रसाद सिन्हा ने नवलशाही थाना में सनहा दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। जिसमें कहा गया है कि मेरे सहायक पारा शिक्षक मनोज यादव जब बुधवार को सुबह छः बजे विद्यालय पहुंचा तो देखा की विद्यालय के एक कमरे का ताला टूटा हुआ है। कमरे के अन्दर से दोनों पंखे की चोरी कर ली गयी है।इसकी सूचना मुझे मेरे सहायक पारा शिक्षक ने फोन के द्वारा जानकारी दि वहीं मैं भी विद्यालय पहुंच कर देखा तो पहली कक्षा के सीलिंग में लगे दो पंखे गायब पाया।

हाइवा पेड़ से टकराया कोई हताहत नहीं



सतगावां (कोडरमा) : थाना क्षेत्र के खुट्टा के नजदीक नवादा देवघर मुख्य मार्ग पर जे एच 02 /9421 एक हाइवा जो की नवादा की ओर से आ रहा था हाइवा जे एच 02/9421जो की खुट्टा के नजदीक एक पेड़ में जाकर टक्कर मार दिया जिससे पेड़ टूटकर हाइवा पर ही गिर गया। झईवर दीलीप राम के अनुसार डाल नीचे रहने के कारण रात के समय में लाइट के बजह से पता नहीं चला और पेड़ में जाकर टक्कर मार दिया। पेड़ के मालिक विपुल कुमार मोदी के अनुसार बात करने पर बताया कि पेड़ मेरा ही है घटना के बारे पूछ तो बताया की हमको सुबह में पता चला है की पेड़ गिर गया है ।और कुछ जानकारी नहीं है हालांकि इस टक्कर में कोई हताहत होने की खबर नहीं है।आते दिन इस रोड में इस प्रकार की घटना होती रहती है। क्योंकि की गावां प्रखंड में क्रैसर से नवादा बिहार चिप्स सप्लाई किया जाता है। जबकि झारखंड में खनन विभाग के द्वारा रोक लगाया गया है। लेकिन खनन विभाग के आदेश की धज्जियां उड़ाते हुए खुलेआम चिप्स की सप्लाई नवादा बिहार भेजी जा रही है। इस पर खनन विभाग चुप्पी साध रखी है।

राष्ट्रीय झारखंड सेवा संस्थान एवं चाइल्डलाइन टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन



मरकच्चो (कोडरमा) : राष्ट्रीय झारखंड सेवा संस्थान एवं चाइल्डलाइन सब सेंटर की टीम मेंबर सुनीता देवी के द्वारा परियोजना बालिका उच्च विद्यालय मरकच्चो में बुधवार को शिक्षकों एवं छात्राओं के साथ चाइल्ड लाइन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस मौके पर उपस्थित टीम सदस्य सुनीता देवी ने चाइल्डलाइन की सेवाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए बाल यौन शोषण के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा कि किसी बच्चे की शादी 18 वर्ष से कम उम्र में हो रही हो या बाल श्रम कराया जा रहा हो तो तुरंत चाइल्ड लाइन के टोल फ्री नंबर 1098 पर सूचना दे। उन्होंने बच्चों को उनके बाल अधिकारों व बाल हिसा की रोकथाम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यालय के प्रधानाध्यापक स्वर्ण लता ने कहा कि अगर किसी बच्चे के साथ किसी प्रकार की मुसीबत आती है तो वगैर किसी हिचक के 1098 पर सूचित कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।अंत में विद्यालय के शिक्षक विद्यासागर ने धन्यवाद ज्ञापन किया।बैठक में विद्यालय के सभी वर्ग के शिक्षक व छात्राएं उपस्थित थीं।

बिजली आपूर्ति की लचर व्यवस्था के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरना

संवाददाता

झुमरी तिलैया (कोडरमा) : अनियमित बिजली आपूर्ति के कारण शहरवासियों को हो रही कठिनाई को लेकर धरना प्रदर्शन एवं भूख हड़ताल शुरू किया गया है। बुधवार से सामाजिक कार्यकर्ता विशाल भवानी भारतीय और अजीत चंद्रवंशी बिजली विभाग कार्यालय के सम्मक्ष भूख हड़ताल पर बैठ गए। उनका समर्थन करने वार्ड पार्षद नीरज कर्ण, बालगोविंद मोदी, पूर्व मुखिया धीरज कुमार, रमेश प्रसाद, प्रोफेसर राखी भदानी, रीतेश माधव, संजीव समीर, मधु कुमारी, आशय बसंत, लड्डू जैन, अभिमन्यु कुमार, अजीत सिन्हा, विनोद सिंह, रविंद्र सिंह, राकेश छावड़ा, अंकित कुमार, ओम प्रकाश गुप्ता, सत्येंद्र कुमार गौतम, मिलन शाहाबादी, राकेश छावड़ा, मुकेश जैन, मंटू यादव, भूपेंद्र कुमार सिंह, नाजबून



खातून, शिवशंकर वर्णवाल, रोहित कुमार सिंह, डॉ दीपक कुमार, शंकर यादव, बालेश्वर यादव, प्रीतम कुमार, पपू यादव समेत शहर के कई राजनीतिक

और सामाजिक कार्यकर्ता पहुंचे। इस बाबत अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि विगत कई दिनों से झुमरीतिलैया शहर में बिजली

आपूर्ति की स्थिति बिल्कुल चरमरा गई है। 24 घंटे में महज 5 से 7 घंटे बिजली आपूर्ति हो रही है। और वह भी अनियमित तरीके से। बिजली कब आती

है और कब जाती है, इसको जानकारी आम लोगों को कभी नहीं मिल पाती है। बिजली की इस त्रासदी के कारण शहरवासियों का जनजीवन और दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है तो वहीं इस भीषण गर्मी में लोगों को पेयजल की समस्या का भी सामना करना पड़ रहा है। मांग है कि झुमरीतिलैया शहर में कम से कम 20 घंटे बिजली आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बिजली की कटौती यानि बिजली के आने एवं जाने की सूचना विभिन्न माध्यमों से शहर वासियों को दी जाए। पेयजल आपूर्ति में बिजली की समस्या बहुत बड़ी बाधक बनी है, इसे दुरुस्त किया जाए। इन मांगों पर ठोस कार्रवाई होने तक धरना और अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

